अखिल भारतीय निफ्ट राजभाषा सम्मेलन 2023

दिनांक 21/07/23 को निफ्ट, मुख्यालय के पुपुल जयकर हॉल में प्रथम अखिल भारतीय निफ्ट राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें निफ्ट के प्रत्येक परिसरों के संयुक्त निदेशक व राजभाषा प्रभारी एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था| साथ ही प्रत्येक परिसर के निदेशक महोदय शाम के सत्र में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे|

उक्त सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक परिसर के राजभाषा कार्यों की स्थिति व समस्याओं से परिचित होना, राजभाषा के नियमों, प्रावधानों एवं लक्ष्यों के परिपेक्ष्य में अग्रिम योजनाओं व संभावनाओं को बताना था तथा राजभाषा के क्षेत्र में प्रत्येक परिसरों के अपने अनुभव व कार्यों से सीखना-सीखाना था| पंजीयक महोदय ने सम्मेलन के प्रमुख बिदुओं एवं प्रत्येक परिसर में राजभाषा कार्यों हेतु वांछित सुधार एवं संभावनाओं को रेखांकित किया|

सम्मेलन में यह बात स्पष्ट हुई कि किसी परिसर का उच्य अधिकारी यदि राजभाषा कार्यों की ओर सकारात्मक रवैया रखतें हैं और इसके क्रियान्वयन हेतु प्रतिबद्ध्य हैं तो फिर उसके परिसर के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित होंगे एवं राजभाषा में अपने सभी कार्यालयी कार्य करने को गंभीरता से लेंगे| साथ ही यह भी बताया गया कि सभी परिसर के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी राजभाषा कार्यों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को सहज बनाकर अपने अधिकारियों के समक्ष रखें एवं स्वयं पहल करके नियमित रूप से पत्रों, टेंडरों आदि का अनुवाद कार्य करते रहें| अपने परिसरों में राजभाषा कार्यों हेतु जारी किये गये जांच बिन्दुओं के आधार पर कार्यों की समीक्षा करते रहें एवं समय पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिंदी कार्यशाला आयोजित करते रहें|

सम्मेलन में तिमाही रिपोर्ट एवं संसदीय प्रश्नावली भरने के दौरान आने वाली भ्रांतियों एवं समस्याओं का निवारण किया गया तथा सभी को अपने परिसरों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की सलाह दी गयी| साथ ही योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से राजभाषा के लक्ष्यों की ओर अग्रसर होने हेतु कार्य करने की बात की गयी| राजभाषा कार्यों के क्रियान्वयन में निदेशक, संयुक्त निदेशक व राजभाषा प्रभारी एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों की जिम्मेदारियों व भूमिकाओं को रेखांकित किया गया|

सम्मेलन का सबसे मुख्य आकर्षण रहा सभी परिसरों के जे.टी.ओ. व वरिष्ठ अधिकारियों से मिलना, उनके विचारों से परिचित होना व उनके द्वारा उनके परिसरों में राजभाषा संबंधित किये गये पहलों व उल्लेखनीय कार्यों को जानना एवं उनके अनुभवों से सीखना| चेन्नई से आये राजभाषा प्रभारी सर के राजभाषा कार्यों को लेकर जो लगन व लम्बा अनुभव हमें जानने को मिला वह हम सभी के लिए बहुत प्रेरणादायक रहा| उनकी बातों ने नवीन कनिष्ठ अनुवाद अधिकारीयों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति और अधिक गंभीर व निष्ठावान बनाया|

इस सम्मेलन ने हमें अपने कार्यों के प्रति और अधिक सकारात्मक एवं प्रोत्साहित किया| सभी परिसरों के संयुक्त निदेशकों को बुलाया गया तथा निदेशक महोदयों को ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा जाना एक अच्छी सोच लगी

क्योंकि जब तक संस्थान के वरिष्ठ अधिकारीगण राजभाषा प्रावधानों के तहत कार्यों के क्रियान्वयन की अहमियत से परिचित नहीं होंगे और उक्त दिशा में अपनी सकारात्मक सोच का परिचय नहीं देंगे तबतक किसी भी पहल, योजना व कार्य को एक पुख्ता आधार नहीं मिलेगा|

सम्मेलन के माध्यम से हमें अपने कार्यक्षेत्र की समस्याओं को सभी के समक्ष रखने का अवसर मिला तथा उसके निदान हेतु विविध सुझाव मिले| ऐसे आयोजनों में शामिल होकर हम सभी वरिष्ठ जनों के अनुभव से सीखते हैं, कार्य करने के उनके तरीके को समझते हैं साथ ही कार्यक्षेत्र में उनके व्यव्हार व व्यावसायिकता से परिचित होते हैं| ऐसे मौके अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कार्य में सिर्फ कुशल व दक्ष ही नहीं बनाते बल्कि कार्यानुरूप हमारे व्यक्तित्व में भी निखार लाते हैं|

कार्यक्रम से जुड़ी कुछ तस्वीरें :-